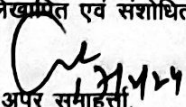
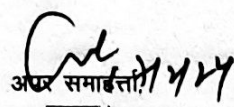


## अपर समाहर्ता, दुमका का न्यायालय

आर०एम०ए० वाद सं०-26/2011-12

मुकुन्द महतो, पिता-स्व० भट्ट महतो एवं अन्य, ग्राम-मंडलडीह, थाना-सरैयाहाट, जिला-दुमका -बनाम्-  
गंगाधर महतो, पिता-स्व० गोविन्द महतो, ग्राम-मंडलडीह, थाना-सरैयाहाट, जिला-दुमका।

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गयी कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख के साथ
1	2	3
17.2.24	<p style="text-align: center;"><b>आदेश</b></p> <p>प्रस्तुत आर०एम०ए० वाद सं०-26/11-12 मुकुन्द महतो, पिता-स्व० भट्ट महतो एवं अन्य ग्राम-मंडलडीह, थाना-सरैयाहाट, जिला-दुमका के द्वारा गंगाधर महतो पिता-स्व० गोविन्द महतो ग्राम-मंडलडीह, थाना-सरैयाहाट, जिला-दुमका एवं अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका के आर० ई० केस सं०-47/03-04 में परित आदेश दिनांक-15.12.2003 के विरुद्ध दायर किया गया है।</p> <p>अपीलार्थी के अधिवक्ता द्वारा समर्पित लिखित बहस में वर्णित किया गया है कि मैकफर्सन सेटलमेंट के समय विषयगत भूमि अपीलार्थी के पूर्वजों के नाम से खतियान में दर्ज था। विपक्षी के पूर्वजों के द्वारा उक्त भूमि को गैजर सेटलमेंट में अपने नाम पर चढा लिया। मौजा झिलवा बेलबारी दाग सं०-488, रकवा-5.17 एकड़ जमाबन्दी नं०-25, थाना-सरैयाहाट के जमाबन्दी रैयत संतलाल मंडल का नाम दर्ज है। जमाबन्दी नं०-11, 20, 21, 23, 24 एवं 26 अपीलार्थी का पैतृक भूमि है। जमाबन्दी नं०-17 अपीलार्थी के पूर्वजों के नाम पर दर्ज था, जो गैजर सर्वे के बाद जमाबन्दी नं०-25 सहित कई जमाबन्दी सं० में विभाजित हो गया। अपीलार्थी का यह भी कहना है कि Rent Eviction Case No. 15/1917 में अपीलार्थी के पिता के द्वारा बेदखल करने की सिफारिश नहीं की गई थी। Revenue Misc Case No. 11/110 वर्ष 1919-20 के आदेशानुसार 1917 से 1919 तक लगान की वसूली गलत एवं अवैध है। उक्त मामले में पूर्वज अपीलकर्ता प्रयाग महतो को पार्टी नहीं बनाया गया एवं प्रयाग महतो का बेदखल करने का आदेश दिया गया। निम्न न्यायालय का बेदखल करने का आदेश गलत एवं अमान्य है, क्योंकि उनके द्वारा अवैध कब्जा नहीं किया गया है। अपीलकर्ता द्वारा अपील को स्वीकार करने का अनुरोध किया गया है।</p> <p>विपक्षी के अधिवक्ता द्वारा समर्पित लिखित बहस में वर्णित है कि अपीलकर्ता के द्वारा दायर वर्तमान अपील कानून या मामले के तथ्यों और परिस्थितियों की नजर में चलने योग्य नहीं है। मौजा-झिलवा बेलबारी नं०-02 के खाता नं०-25 अंतिम बंदोबस्त प्लॉट नं०-488 से संबंधित है। कुल-5 एकड़ 17 डिसमील जमीन शिवदयाल महतो, दीवान महतो, विरंची मंडल आदि नाम से दर्ज है। हंसी मंडल, मुन्शी मंडल, सभी पूत्र डोमन मंडल, संतलाल मंडल पिता-बनवारी मंडल, कदरू मंडल, पिता-चमरू मंडल का नाम गैजर सर्वे में दर्ज है, गैजर के रैयत लगान के भुगतान एवं संबंधित भूमि पर खेती करते हैं। प्रश्नगत भूमि विपक्षी के नाम पर दर्ज है। विपक्षी के भूमि को हड़पने के लिए झिलवा बेलबारी के खाता सं०-25 से संबंधित भूखण्ड सं०-488 के हिस्से पर झोपड़ी खड़ी कर दी। जमीन के हिस्से पर अवैध अतिक्रमण की जानकारी होने पर अंचल अधिकारी, सरैयाहाट के कार्यालय में मामला सं०-02/2002-03 दर्ज किया गया। जिसमें अवैध अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया। अपीलकर्ता के नहीं हटने पर अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका के समक्ष वाद सं०-47/2003-04 दायर किया गया। जिसमें विपक्षीयों को मौजा-झिलवा बेलबारी, दाग सं०-488 रकवा-5 एकड़ 17 डिसमील से उच्छेद किया गया। विपक्षी द्वारा अपील खारिज करने का अनुरोध किया गया।</p> <p>उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्ता के बहस को सूना एवं अभिलेख में उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन किया। स्पष्ट है कि मामला प्रश्नगत भूमि पर हक, अधिकार एवं स्वत्व से संबंधित विवाद का है, जिसका निर्णय सक्षम न्यायालय द्वारा ही किया जा सकता है। अतएव उभयपक्ष सक्षम न्यायालय में जा सकते हैं।</p> <p style="text-align: center;">इस निर्णय के साथ वाद की कार्रवाई समाप्त किया जाता है।</p>	
	<p>लेखपित एवं संशोधित।</p> <p style="text-align: center;"> अपर समाहर्ता, दुमका।</p>	<p style="text-align: center;"> अपर समाहर्ता, दुमका।</p>